देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 28.06.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :—

- प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को ड्रेस, बैग और जूतों के लिए डीबीटी के माध्यम से तीस सितंबर तक धनराशि वितरित करने के निर्देश।
- देहरादून के हिमाद्री आइस रिंक में देश की पहली इंडोर आइस स्केटिंग नेशनल चैंपियनशिप शुरू, 19 राज्यों की टीमें ले रही हैं हिस्सा।
- प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आज मध्यम से तेज बारिश का दौर जारी, बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग, नंद्रप्रयाग और भनेरपानी के समीप भूस्खलन के कारण आवाजाही के लिये अवरूद्ध।
- देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय भारतीय संरक्षण सम्मेलन 2025 संपन्न।

समीक्षा

राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र—छात्राओं को अब स्कूल ड्रेस, बैग और जूतों के लिए पैसे का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने निर्देश दिए हैं कि आगामी 30 सितंबर तक डीबीटी के माध्यम से यह राशि सीधे छात्रों के खातों में भेजी जाए। शिक्षा महानिदेशालय में समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने समय पर धनराशि न पहुंचने पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री ने पुस्तकालयों में लापरवाही पर भी नाराजगी जताई और छात्रोपयोगी पुस्तकों की खरीद के लिए प्रधानाचार्य, सेवानिवृत्त शिक्षक, ग्राम प्रधान और अभिभावक संघ के अध्यक्ष की समिति गठित करने को कहा, जो जरूरत के अनुसार पुस्तकों का चयन कर विभाग को सूची सौंपेगी।

समग्र शिक्षा परियोजना की समीक्षा करते हुए मंत्री ने स्वीकृत बजट समय पर खर्च करने, पीएम—श्री विद्यालयों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने और वर्चुअल व आईसीटी लैब की शीघ्र स्थापना के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार ने 15 नए पीएम—श्री विद्यालयों को स्वीकृति दी है और 800 विद्यालयों में हाईब्रिड क्लासें शुरू हो चुकी हैं। 40 विद्यालयों में कार्य अंतिम चरण में है। इसके अलावा स्मार्ट कक्षाओं और आईसीटी लैब के लिए प्रस्ताव केंद्र को भेजे गए हैं।

आइस स्केटिंग नेशनल चैंपियनशिप

देहरादून के हिमाद्री आइस रिंक में कल देश की पहली इंडोर आइस स्केटिंग नेशनल चैंपियनशिप की शुरुआत हुई, जिसमें 19 राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा है कि अब तक आइस स्केटिंग की नेशनल चैंपियनशिप बर्फबारी के मौसम में खुले पहाड़ी मैदानों में होती थी, लेकिन पहली बार यह प्रतियोगिता इंडोर स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। उन्होंने इसे उत्तराखंड को खेल भूमि बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

खेल मंत्री ने कहा कि देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक देशभर के खिलाड़ियों के लिए अभ्यास और प्रशिक्षण का केंद्र बन गया है। उन्होंने आशा जताई कि इस सुविधा का लाभ उठाकर भारतीय खिलाड़ी आइस स्पोर्ट्स में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेंगे।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने आइस स्केटिंग में संतुलन, गति और मूवमेंट्स का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

कांवड यात्रा तैयारियां/बैठक

हरिद्वार में आगामी कांवड़ मेले की तैयारियों को लेकर अंतरराज्यीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने की। बैठक में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के अधिकारी ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने कहा कि कांवड़ मेला आस्था का बड़ा उत्सव है और इसकी व्यवस्थाएं सुरक्षित व सुचारु ढंग से सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने रियल टाइम डेटा और सूचनाओं के आदान–प्रदान, कानून–व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और तकनीकी साधनों के उपयोग पर जोर दिया। साथ ही निर्देश दिए कि होटल–ढाबों में सुरक्षा मानकों का पालन हो और रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए।

बैठक के दौरान पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने अफवाहों पर नियंत्रण और सूचना साझा करने के लिए एकीकृत व्यवस्था की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदर्शित किए जाएं।

निर्देश

देहरादून में पीपीपी मोड पर संचालित सरकारी अस्पतालों में अव्यवस्थाओं की शिकायतों पर जिलाधिकारी सविन बंसल ने नाराजगी जताते हुए सुधार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा है कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार अनिवार्य है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनमानस से जुड़ी सुविधाएं उनकी विशेष निगरानी में हैं और समय–समय पर संबंधित अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी और प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट को निर्देशित किया है कि वे पीपीपी मोड पर चल रहे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण करें। अनुबंध के अनुसार सुविधाएं न मिलने पर अनुबंध रद्द करने की चेतावनी दी गई है।

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में देश–विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम का 122वां एपिसोड होगा। कार्यक्रम का प्रसारण पूरे आकाशवाणी और दूरदर्शन नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट और न्यूज़ऑनएयर मोबाइल ऐप पर किया जाएगा।

बारिश / भूस्खलन

प्रदेश के अनेक हिस्सों में देर रात से बारिश का दौर जारी है। देहरादून सहित राज्य के कुछ हिस्सों में मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे कुछ स्थानों पर सड़कें बाधित होने की ख़बर है। चमोली जिले में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग नंदप्रयाग और भनेरपानी में भूस्खलन के कारण आवाजाही के लिये बाधित हो गया है, जिसे खोलने के प्रयास जारी हैं।

इस बीच, केदारनाथ यात्रा मार्ग पर सोनप्रयाग में भूस्खलन के चलते यात्रा प्रभावित हो रही है, लेकिन प्रशासन की तत्परता के चलते यात्रियों के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जा रहा है। पिछले तीन दिनों से एप्रोच ब्रिज के पास लगातार हो रहे भूस्खलन और गिरते बोल्डरों के कारण मार्ग बार–बार बंद हो रहा है, जिससे तीर्थयात्रियों की आवाजाही बाधित हो रही है।

प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए सोनप्रयाग से मुनकटिया तक पैदल मार्ग को ऊंचा करने का कार्य शुरू किया है। इस मार्ग पर बने अस्थाई पुल की एप्रोच को सुरक्षित बनाने के लिए गैबियन लगाए जा रहे

हैं, ताकि नदी का जलस्तर बढ़ने पर भी पुल को कोई नुकसान न हो और श्रद्धालुओं की आवाजाही निर्बाध बनी रहे।

इधर, मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून ने आज राज्य के अनेक हिस्सों में बारिश की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है।

मॉक ड्रिल/टेबल टॉप एक्सरसाइज

राज्य के पांच जिलों में 30 जून को बाढ़ प्रबंधन पर राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य मानसून के दौरान संभावित बाढ़ की स्थितियों से प्रभावी तरीके से निपटने का अभ्यास करना है।

इस संबंध में आज सुबह दस बजे एक टेबल टॉप एक्सरसाइज होगी। मॉक ड्रिल हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर, नैनीताल, देहरादून, चम्पावत जिलों में होगी, जिसका समन्वय उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र करेगा।

भारतीय संरक्षण सम्मेलन– 2025

देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय भारतीय संरक्षण सम्मेलन 2025 कल संपन्न हो गया। सम्मेलन के अंतिम दिन देश–विदेश से आए 500 से अधिक वन्यजीव शोधकर्ताओं, संरक्षण वैज्ञानिकों, वन अधिकारियों और नीति निर्माताओं ने एक मंच पर विचार साझा किए।

कार्यक्रम की शुरुआत में सवाना पारिस्थितिकी तंत्र में जलवायु और जैव विविधता के आपसी संबंधों पर चर्चा की गई। इसके बाद तकनीकी सत्रों में आनुवंशिकी, परिदृश्य पारिस्थितिकी, संरक्षण संघर्ष और प्रजातियों की निगरानी जैसे विषयों पर शोध प्रस्तुतियां दी गईं। दोपहर के सत्र में पोस्टर प्रदर्शनी के जरिए शहरी जैव विविधता, रोग पारिस्थितिकी और युवा नेतृत्व वाली नागरिक विज्ञान पहलों को दर्शाया गया।

सम्मेलन में एआई आधारित वन्यजीव निगरानी उपकरणों पर प्रस्तुति देने के साथ ही भारत की संरक्षण प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला गया। शाम को आयोजित टेकब्रिज सत्र में विभिन्न संस्थानों ने संरक्षण क्षेत्र से जुड़ी तकनीकी नवाचार प्रस्तुत किए।

<u>सहमति पत्र</u>

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल ने जापान के प्रतिष्ठित जापान एडवांस्ड इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी–जे०ए०आई०एस०टी के साथ शैक्षणिक, शोध और सांस्कृतिक सहयोग के लिए एक सहमति–पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षा और शोध के नए अवसर उपलब्ध कराएगा।

समझौते के तहत कुमाऊँ विश्वविद्यालय के 3 से 4 स्नातक विद्यार्थियों को जे०ए०आई०एस०टी में इंटर्नशिप या एक वर्षीय पाठ्यक्रम में अध्ययन का अवसर मिलेगा। इस दौरान उनसे प्रवेश, परीक्षा और शिक्षण शुल्क नहीं लिया जाएगा। एक वर्षीय कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर उपाधि दी जाएगी, जिससे वे पीएचडी के लिए पात्र बन सकेंगे।

इस सहयोग में शिक्षकों के आपसी आदान–प्रदान की भी व्यवस्था है, जिसके तहत दोनों संस्थान विचारों, अनुभवों और अनुसंधान विधियों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेंगे। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने इस सहयोग को विश्वविद्यालय और उत्तराखंड के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया और उम्मीद जताई है कि यह साझेदारी विश्वविद्यालय की वैश्विक पहचान और रैंकिंग को मजबूत करेगी।

<u>मानचित्र स्वीकृति</u>

नगर निगम हल्द्वानी–काठगोदाम व नगर पालिका परिषद, रामनगर क्षेत्र के भवन मानचित्रों की स्वीकृति के लिए नैनीताल जिला विकास प्राधिकरण की ओर से आगामी 2 जुलाई को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्राधिकरण के सचिव विजयनाथ शुक्ल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हल्द्वानी स्थित प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित होने वाले इस शिविर में प्राप्त होने वाले भवन मानचित्रों का स्थल पर ही निस्तारण कर मानचित्र स्वीकृति की कार्यवाही कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कुछ गम्भीर प्रवृत्ति के प्रकरणों को छोड़कर अन्य मामलों में स्थल पर ही अनापत्ति जारी करते हुए मानचित्रों के निस्तारण के लिए सम्बन्धित विभागों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है।